Edu Bridge

GRADE
1
FOUNDATIONAL STAGE

Teacher's Manual

हिंदी

हिंदी कक्षा-1

पाठ-1 वर्णमाला

(क) आ, ई, ऊ, ए, ओ, अं (ख) 1. द, 2. फ, 3. न, 4. प

(ग) ब, र, म, त, फ, न (घ) हल, शहद, थरमस, कलश

पाठ-2 अमात्रिक शब्द

(क) जड़, नल, बटन, बतख, अजगर, अदरक।

पाठ-3 वाक्य रचना

(क) 1. फल, 2. भजन, 3. पढ़, 4. पचपन, (ख) 1. चख 2. भर 3. उठ 4. पढ़, (ग) 1. हाँ, 2. फल 3. कलश 4. जनपथ (घ) 1. स्वयं कीजिए

व्याकरण एवं भाषा बोध

(क) 1. स्वयं कीजिए (ख) 1. नल, जड़, रथ, फल, हल, हठ, खत, बस, नथ, शहद, मलमल, नहर, कलकल, पहर, हलचल, महल, अकबर, चहल, अदरक

पाठ-4 आ (ा) व इ (ि) की मात्रा

(क) गाजर, जहाज, किसान, किताब (ख) 1. बरसा 2. छाता 3. दिन 4. पिला। (ग) 1. पान-बान, 2. बात-रात, 3. पाक-नाक, 4. चाल-माल

व्याकरण एवं भाषा बोध- (क) 1. चाचा 2. सावन 3. आलस 4. तबला

पाठ-5 ई (ी) व उ (ु) की मात्रा

(क) तीर, पपीता, साबुन, गुलाब (ख) 1. सुखबीर, 2. कुमकुम, 3. रीना की, 4. सीमा (ग) 1. बहन 2. सीमा 3. दिन 4. सुबह

व्याकरण एवं भाषा बोध- (क) सीता, पटवारी, खरीदारी, सरकारी, पीपल, नमकीन, मनचली, तसवीर, चरखी, तरकारी।

(ख) धनु, कछुआ, मथुरा, बुन, मधुर माधुरी, सुन, बटुआ, कुटिया।

पाठ-6 ऊ (ू) व ओ (ो) की मात्रा

(क) तराजू, तरबूज, पेड़, करेला। (ख) 1. आलू 2. शहतूत 3. लड़के 4. करेले। (ग) कूदना, घूमना, खरबूजा, तराजू, डमरु, सूरज, पूरब, अनूप, बबलू (घ) पेड़, ऐनक, अजमेर, चेला, रमेश, पहरेदार, केला, सहेली, केरल।

पाठ-7 ए (े) व ओ (ो) की मात्रा

(क) सैनिक, पैमाना, टोपी, समोसा (ख) 1. मुझे बहुत चैन मिला। 2. मैदान बहुत बड़ा था। 3. डकैत मारा गया। 4. हैदर सैनिक बन गया। (ग) पैदल, गैस, चैन, हैरानी (घ) मोर, खरगोश, तोता, बोतल।

पाठ-8 औ (ौ) व अं (ं) की मात्रा

(क) लौकी, हथौड़ा, झंडा, मंदिर (ख) 1. नौका 2. हथौड़े 3. पतंग 4. गंगा (ग) हंस, पंखा, पतंग, मंदिर, झंडा, हथौड़ा (घ) बच्चे पतंग उड़ा रहें है। लड़का संतरा लेकर चल रहा है। लड़की साधु को दान दे रही है।

पाठ-9 चंद्रबिंदु (ँ) व अः (:) की मात्रा

(क) ऊँट, अगूँठी, प्रात: (ख) आँगन के पास एक कुआँ है। साँप जहरीला होता है। कुवँर बाँसुरी बजा रहा था। तितलियाँ फूलों पर बैठी हैं। (ग) छः, नमः, प्रातः, प्रायः, फलतः। (घ) 1. आँख 2. आँगन 3. दाँत 4. अंगूठा 5. मुँह 6. खाँसी।

पाठ-10 'ऋ' की मात्रा (ृ)

(क) कृपालु, मृग, कृपाण, मृत, कृषक, मृदा। (ख) गृह, ह्दय, कृपाण, (ग) तृण, अमृत, दृगजल, घृत, पृथक, मातृभूमि, कृषि, मृंदग, गृहपति (घ) वृक्ष हमें जीवन देते हैं। मृग जंगल में भाग गया। ऋषि के पास एक मृग था। कृषक खेती करता है।

पाठ-11 'र-रेफ' और 'र-पदेन' (् ु ^) की मात्रा

(क) प्रकोप, उम्र, प्रचार, भ्रमण, प्रसाद, क्रम, तर्क, भ्रमण, हर्ष, प्रकाश, दर्शन, ट्रेन, संघर्ष, तीव्रतम, आकर्षण, ड्रम, घर्षण, ट्रक। (ख) पार्क, फ्राक, ड्रम। (ग) सूर्य पूरब में निकलता है। ड्रम में तेल भरा है। चक्र घूमता है। ट्रक ड्राइवर चला रहा है।

पाठ-12 संयुक्त अक्षर

(क) 1. अ 2. ब 3. अ (ख) 1. सच्चा 2. खेतों 3. सन्न 4. मग्न (ग) किसान 2. हाथी 3. हाँ 4. हाथी के पैरो के निशान।

व्याकरण एवं भाषा बोध- (क) 1. मस्त हाथी, 2. सन्न रह गया, 3. पैरो के चिह्न, 4. खेत-जोते (ख) स्वयं कीजिए (ग) रस्सी, चम्मच, लड़की।

पाठ-१३ तितली रानी

(क) 1. स 2. स 3. ब (ख) रंग बिरंगे, पंख, कहाँ, तितली, स्वर मे प्यारा (ग) 1. तितली के पंख सुन्दर व रंग-बिरंगे हैं। 2. मीठा रस पीने के लिए 3. गुनगुन स्वर में 4. भौंरा

पाठ-14 अभ्यास का फल

(क) 1. अ 2. अ 3. ब (ख) 1. गांव 2. हल 3. किसानों (ग) 1. (✗) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✓) (ध) 4. शिवाजी और माता पार्वती जी पृथ्वी पर भ्रमण के लिए गए। 2. उन्होंने एक किसान को सूखे में भी खेत में हल चलाते हुए देखा। 3. शिवाजी के शंख बजाते ही वर्षा होने लगी। 4. क्योंकि वह हल चलाने का अभ्यास

बनाए रखना चाहता था।

व्याकरण एवं भाषा बोध– (क) प्रतिदिन– मैं प्रतिदिन स्कूल जाता हूँ।, भगवान– भगवान सबकी रक्षा करते है। निरंतर– वह निरंतर मेहनत करता है।, (ख) उपवन– बगीचा, वाटिका, (ग) वृक्ष– बैल, नंदी, साँड (घ) ईश्वर, प्रभु, परमात्मा

पाठ–15 जन्मदिवस

(क) 1. ब, 2. अ, 3. स, (ख) 1. 8 जून, 2. जन्मदिन, 3. उपहार, 4. बधाई (ग) भूमि अपने जन्मदिन के आने का इंतजार कर रही थी, इसलिए वह कई दिनों से बेचैन हो रही थी। 2. बच्चों को खाने के लिए केक और अईसक्रीम दिया गया 3. भूमि का जन्मदिन 8 जून सोमवार को था 4. मित्रों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ हैप्पी बर्थ डे टू यू कहकर भूमि को जन्मदिन की बधाई दी।

व्याकरण एवं भाषा बोध– (क) 1. सुख–दु:ख, 2. मित्र–दुश्मन 3. पहला–अन्तिम 4. जन्म–मृत्यु 5. सुबह–शाम 6. सोना–जागना

पाठ–16 लाल बहादुर शास्त्री

(क) 1. ब 2. अ 3. स (ख) 1. उदासी 2. एहसान 3. थक 4. सादा 5. अमर (ग) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓ (घ) 1. ईमानदार 2. चारों 3. उदास 4. नदी 5. सफल (ङ) 1. एक बालक उदास बैठा था। 2. वह चोरी नहीं करना चाहता था इसलिए बालक ने अपने मित्रों की बात नहीं मानी। 3. 2 अक्टूबर 1904 में 4. 10 जनवरी 1966 में। 5. जय जवान जय किसान का नारा दिया।

व्याकरण एवं भाषा बोध– 1. वह नदी पार करना चाहता था। 2. वह तुमसे पैसे नहीं माँगेगा। 3. मैं कभी चोरी नहीं करुँगा।

पाठ–17 अच्छी शिक्षा

(क) 1. अ 2. अ 3. अ (ख) यह महान जीवन का साधन।। पीड़ित–जन की करुण गुहार ।। त्याग सदा सेवा का बल है।। ऐसा अवसर ही उपहार।। (ग) 1. सादा जीवन उच्च विचार शिक्षा का सार है। 2. चित्त लगाकर परिश्रम करना आवश्यक है। 3. सादा माता–पिता की आज्ञा पालन जीवन को महान बनाने का साधन है। 4. त्याग, सेवा का बल है।

व्याकरण एवं भाषा बोध– बोध (क) हल, चल, कल, नल, पल, टल (ख) जग–दुनिया, उच्च–ऊँचा, प्रभु–भगवान, मेहनत–परिश्रम (ग) 1. सादा 2. जाना 3. साधन 4. त्याग

पाठ–18 चंचल प्रणव

(क) 1. स 2. अ 3. ब (ख) 1. जमीन 2. गुलाब 3. जमीन 4. पौधे 5. खुरपी (ग) 1. नटखट 2. माली 3. क्यारियाँ 4. गुलाब 5. बगीचे (घ) 1. गुलाब के–पौधे 2. ट्रेक्टर से–जुताई 3. गोबर की–खाद

4. भुरभुरी-मिट्टी 5. नटखट-प्रणव (ङ) 1. प्रणव नटखट लड़का था। 2. बिरजू काका गुलाब के पौधे लगाने के लिए जमीन खोद रहे थे। 3. बिरजू काका माली थे। 4. पौधे अपना भोजन जमीन से प्राप्त करते हैं। 5. पौधे जड़ों के द्वारा पानी लेते है।

व्याकरण एवं भाषा बोध- 1. मोटा-पतला, 2. जमीन-आसमान, 3. शाम-सुबह, 4. प्रश्न-उत्तर, 5. दिन-रात, 6. साफ-गंदा

पाठ-19 स्वच्छता का महत्व

(क) 1. अ 2. ब (ख) 1. दूर 2. हाथ 3. दांत 4. परीक्षण (ग) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗ (घ) 1. लड़की 2. व्यवहार 3. दर्द 4. गुणकारी 5. सब्जियाँ (ङ) 1. झलक के मुहँ से बदबू आती थी इसलिए कक्षा के बालक झलक से दूर-दूर रहते थे। 2. डॉक्टर ने झलक के दाँतों में दर्द होने का कारण दाँतो में कीड़ा लगना बताया। 3. दाँतो को दिन में दो बार साफ करना चाहिए।

व्याकरण एवं भाषा बोध- (क) 1. अवश्य 2. पोषण 3. परीक्षण (ख) 1. खुशबू 2. पुराना 3. हँसना 4. पास

पाठ-21 मुर्गे को वरदान

(क) 1. स 2. अ 3. अ (ख) 1. चंपक वन 2. गहरी 3. सेवा 4. तपस्या 5. मुर्गा (ग) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✗ (घ) 1. ii 2. iv 3. v 4. i 5. iii (ङ) 1. मुर्गे से ऋषि की मित्रता थी। 2. मुर्गा ऋषि के पास सूरज की पहली किरण के साथ पहुँच जाता था। 3. ऋषि तपस्या में लीन रहते थे। 4. ऋषि चंपकवन में रहते थे। 5. मुर्गा केवल ऋषि की सेवा करता था। व्याकरण बोध- सेवा, वन।